Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 11th

GEOGRAPHY

प्राकृतिक वनस्पति

RAPID REVISION



Under CSR Support by
ipca | Foundation

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

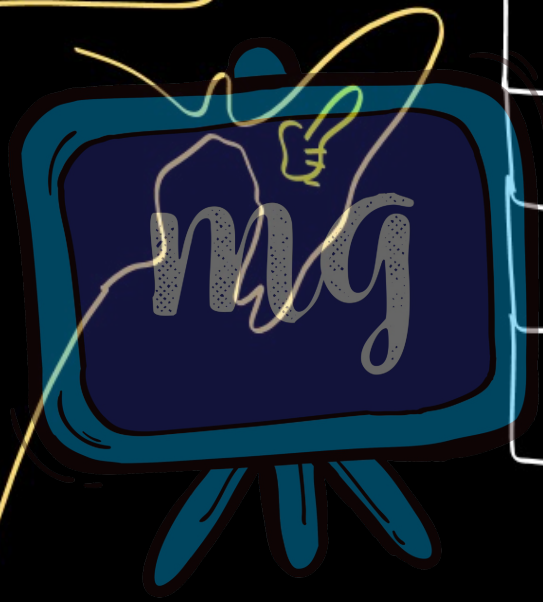
भारत → प्राकृतिक वनस्पतियाँ

रोजगार
महोत्सव
देनी
लेबनी

200+ cm. वर्षा
22°C + ताप

- उष्ण कटि. सदाबहार व अर्ध सदाबहार वन
- उष्ण कटि. पर्णपाती वन
  - 100-200 cm. वर्षा
  - 70-100 cm. वर्षा
- उष्ण कटि. काँटेदार वन
  - 70 cm. से कम
- पर्वतीय वन
- अनूप व मैन्ग्रोव वन

400 cm. वर्षा



Under CSR Support by
ipca | Foundation

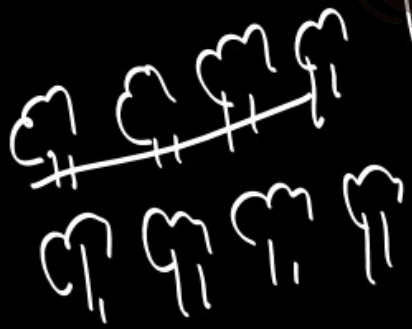
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पुष्प कटिबंधीय पर्णपाती वन

आर्द्र पर्णपाती (100-200 वर्षा)

→ उत्तरी मैदान, प्रायद्वीपीय क्षेत्र

→



पाइनुमा वृक्ष

शुष्क पर्णपाती (70-100 cm. वर्षा)

↓

वर्ष में एक बार पत्तियाँ गिरा देते हैं।

mg
उत्तरप्रदेश - बिहार

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर मरुदभिदीय कंटीले वन

- 70cm. से कम
- मरुस्थल
- राजस्थान, गुजरात, द.-प. पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश व म.प्र.
- अत्यन्त छोटी पत्तियाँ, पत्ति की मोटाई ज्यादा
- कांटेदार व झाड़ियों के समान दिखाई

Under CSR Support by
ipca | Foundation

mg missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

पर्वतीय वन

उत्तर भारत

- हिमालय व पूर्वोत्तर की पहाड़ियों पर
- काई, लाइकेन
- शीतोष्ण
- शीतोष्ण → हिरीपाद
- उष्ण → पर्णपाती वन

दक्षिण भारत

- पश्चिमी घाट, नीलगिरी, पलनी, अन्नामलाई, सतपुड़ा, विन्ध्याचल
- उष्ण → निचले क्षेत्रों
- शीतोष्ण → ऊँचाई पर
- उष्ण कटि. व उष्ण कटि. आर्द्र की वनस्पतियाँ
- गुर्जर, बकरवाल, गद्दी, भोटिया
- चलवासी पशुचारण

दक्षिण भारत में पर्वतीय वन

शोलास वन

- शीतोष्ण कटि. वन
- नीलगिरी, पलनी पहाड़ियाँ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

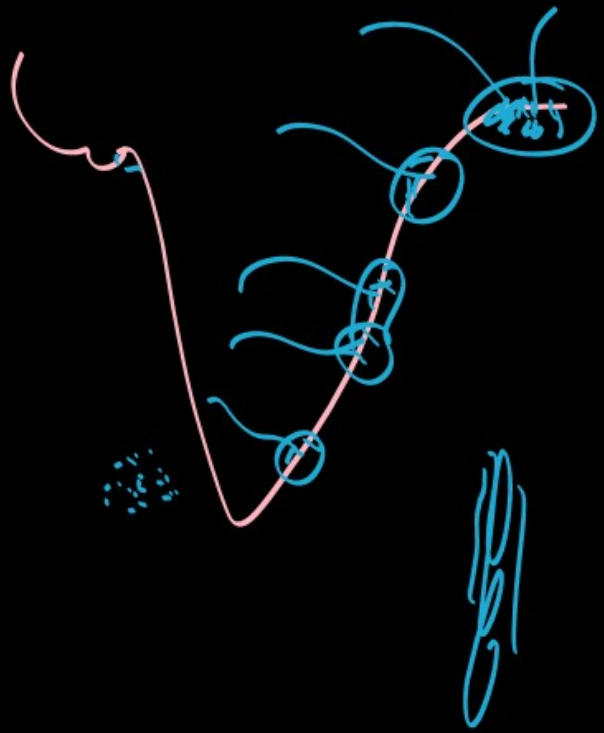
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मैन्ग्रोव व अनूप वन

→ आर्द्र / नम भूमि पर विकसित

→ सुन्दरी वन

→ सुन्दर वन डेल्टा



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.1 चंदन के वन किस प्रकार के वनों के उदाहरण हैं?

A सदाबहार वन → रोजवुड, महोगनी, ऐनी...

B डेल्टाई वन → मैन्ग्रोव वन

C पर्णपाती वन (आर्द्र) — 100 – 200 cm वर्षा

D काँटेदार वन → खेजड़ी, बबूल, खैर, कैर ...

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

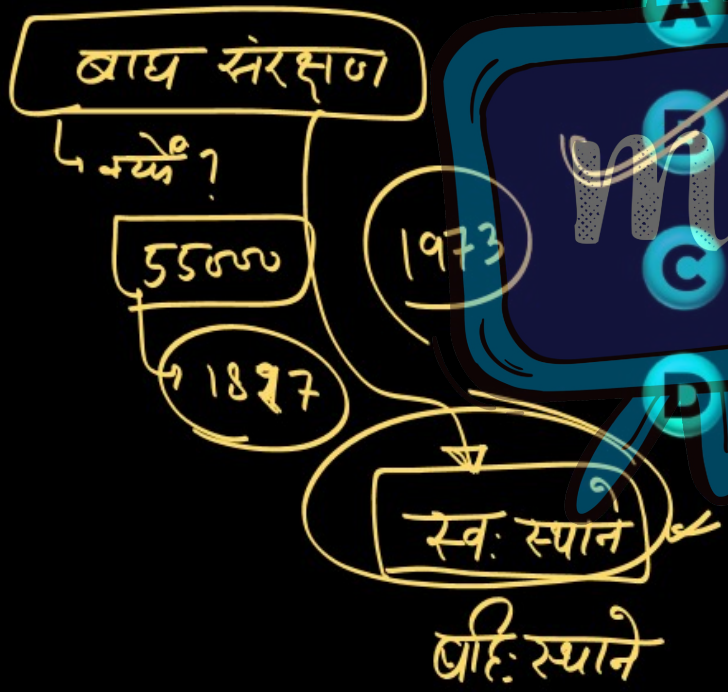
Q.2 प्रोजेक्ट टाइगर किस उद्देश्य से प्रारम्भ किया गया?

A बाघों को मारने के लिए

B बाघों को शिकार से बचाने के लिए

C बाघों को चिड़ियाघर में रखने के लिए

D बाघों पर फिल्म बनाने के लिए



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 नंदा देवी जैवमंडल निचय किस राज्य में स्थित है?

A बिहार

B उत्तराखंड

C उत्तर प्रदेश

D ओडिशा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 भारत के कितने जैवमंडल निचयों को यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त है?



A एक

B बारह

C दो

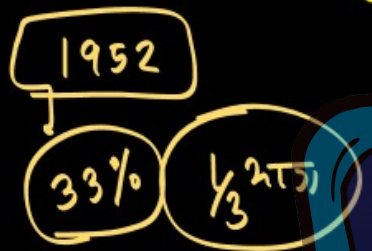
D चार

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 वन नीति के अनुसार देश के कितने प्रतिशत क्षेत्र पर वन होने चाहिए?



A 33 प्रतिशत

B 55 प्रतिशत

C 44 प्रतिशत

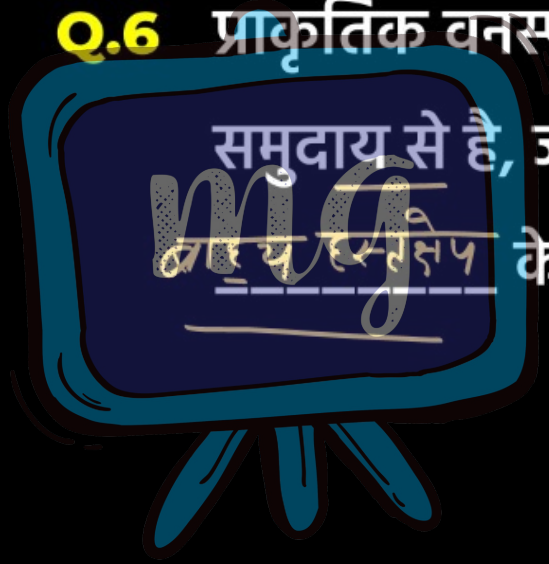
D 22 प्रतिशत

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–उत्तर

Q.6 प्राकृतिक वनस्पति से आशय ऐसे पौधा समुदाय से है, जो लंबे समय तक बिना किसी _____ के उगता है।



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.7 अर्ध-सदाबहार वन, सदाबहार तथा आर्द्र पर्णपाती वनों के _मिश्रित_ रूप हैं।

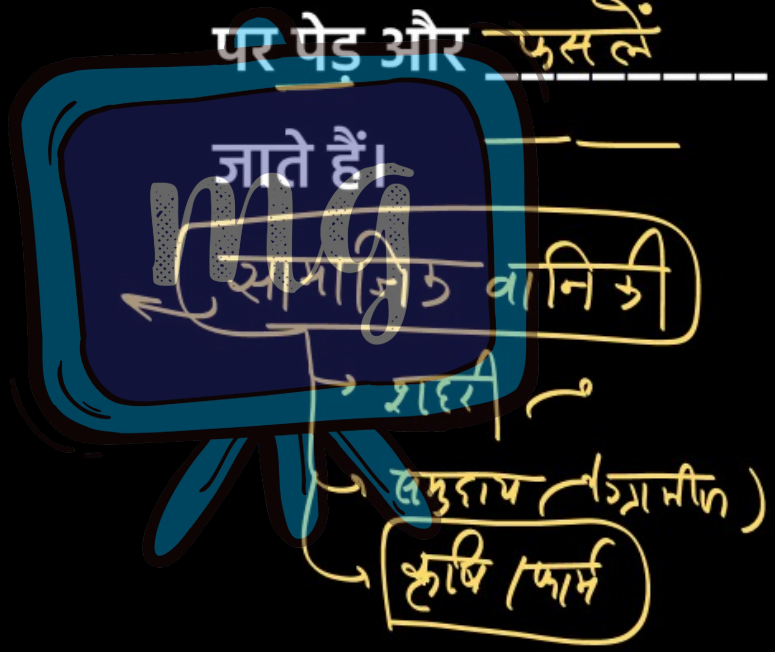


Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.8 कृषि वानिकी में कृषि योग्य तथा बंजर भूमि पर पेड़ और _फसलें_ एक साथ लगाए जाते हैं।

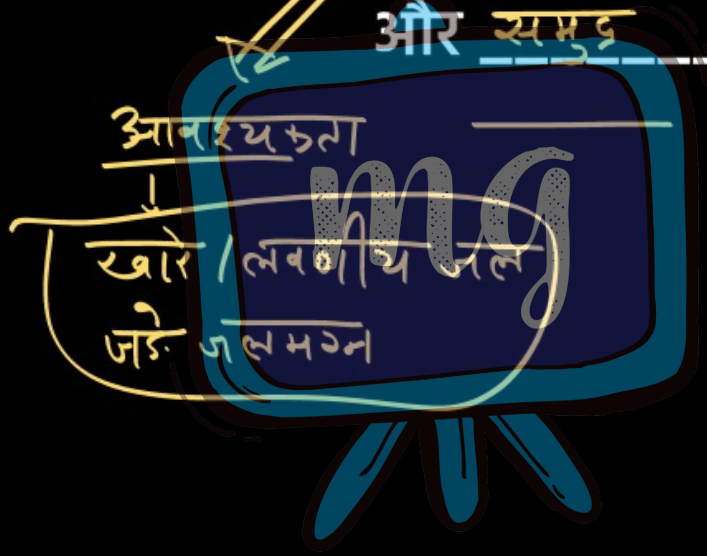


Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.9 मैंग्रोव वन ज्वारीय संकरी खाड़ियों, पंक मैदानों और समुद्र _____ के तटीय क्षेत्रों में उगते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.10 वन विभाग द्वारा किसानों को खेतों में पौधे उपलब्ध कराने की योजना के अंतर्गत _____ वानिकी को प्रोत्साहन मिलता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.11 वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण की कानूनी रूपरेखा तैयार करने वाला कानून _____ कहलाता है।

वन्य जीव (रक्षण) अधिनियम

mg

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–उत्तर

Q.12 प्राकृतिक वनस्पति क्या है?

उत्तर :

❖ प्राकृतिक वनस्पति ऐसे पौधा समुदाय को कहते हैं, जो लंबे समय तक बाहरी हस्तक्षेप के बिना प्राकृतिक रूप से उगता है और स्थानीय मिट्टी तथा जलवायु परिस्थितियों के अनुसार विकसित होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.13 वनस्पति में क्षेत्रीय विविधता क्यों पाई जाती है?

उत्तर :

- भारत में मिट्टी और जलवायु की भिन्नता के कारण वनस्पति में क्षेत्रीय विविधताएँ मिलती हैं।
- अलग-अलग प्राकृतिक परिस्थितियाँ विभिन्न प्रकार के वनस्पति समुदायों के विकास को प्रभावित करती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.14 सामाजिक वानिकी से क्या अभिप्राय है?

उत्तर :

❖ पर्यावरणीय, सामाजिक और ग्रामीण विकास में सहायता के उद्देश्य से वनों का प्रबंधन, उनकी सुरक्षा तथा ऊसर भूमि पर वृक्षारोपण करना सामाजिक वानिकी कहलाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.15 वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों का संरक्षण क्यों आवश्यक है?

उत्तर :

❖ प्राकृतिक आवासों का विनाश वन्यजीवों के अस्तित्व को प्रभावित करता है।

❖ आवासों की रक्षा से प्रजातियों के संरक्षण और पारिस्थितिक तंत्र की की स्थिरता बनाए रखने में सहायता मिलती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.16 जैवमंडल निचय किसे कहते हैं?

उत्तर :

❖ जैवमंडल निचय विशेष प्रकार के स्थलीय तथा तटीय पारिस्थितिक तंत्र हैं, जिन्हें यूनेस्को के मानव एवं जैवमंडल कार्यक्रम के अंतर्गत मान्यता प्राप्त होती है। MAB

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

लघूत्तरात्मक प्रश्न–उत्तर

Q.17 उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

❖ उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन गर्म और आर्द्र क्षेत्रों में विकसित होते हैं।

❖ इन क्षेत्रों में वर्षा 200 सेंटीमीटर से अधिक तथा औसत वार्षिक तापमान 22° सेल्सियस से अधिक रहता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- ये वन घने और बहुस्तरीय होते हैं।
- इनमें झाड़ियों तथा लताओं के ऊपर छोटे वृक्ष और सबसे ऊपर लंबे वृक्ष पाए जाते हैं।
- वृक्षों के पत्ते झड़ने, फूल आने और फल लगने का समय अलग-अलग होने से ये पूरे वर्ष हरे-भरे दिखाई देते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.18 पर्वतीय वनों में ऊँचाई के साथ वनस्पति में किस प्रकार परिवर्तन होता है?

उत्तर :

❖ पर्वतीय क्षेत्रों में ऊँचाई बढ़ने के साथ तापमान घटता है और प्राकृतिक वनस्पति बदलती जाती है।

❖ हिमालय के गिरिपाद में पर्णपाती वन

हिमालय के गिरिपाद में पर्णपाती वन मिलते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

❖ इसके ऊपर शीतोष्ण वनस्पति तथा विभिन्न ऊँचाइयों पर शंकुधारी वृक्षों के वन पाए जाते हैं।

❖ अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों में अल्पाइन वन और चरागाह मिलते हैं।

❖ इससे भी ऊपर टुंड्रा वनस्पति, जैसे मॉस और लाइकेन, पाई जाती है।

❖ पर्वतीय वनस्पति का स्वरूप ऊँचाई और जलवायु परिस्थितियों से प्रभावित होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.19 वन और जनजातीय समुदायों के बीच संबंध स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- वन अनेक जनजातीय समुदायों के आवास, आजीविका और अस्तित्व का आधार हैं।
- वे वनों से भोजन, फल, खाने योग्य वनस्पति, शहद, पौष्टिक जड़ें (कन्दमूल) तथा शिकार के लिए वन्यजीव प्राप्त करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

❖ वन घर बनाने की सामग्री और शिल्पकारी की वस्तुएँ भी उपलब्ध कराते हैं।

❖ इन समुदायों का वनों के साथ प्राचीन व्यावहारिक ज्ञान पर आधारित संबंध है।

❖ इस ज्ञान का उपयोग वन विकास में किया जा सकता है।

❖ वन संरक्षण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.20 वन्यजीवों की संख्या में कमी आने के प्रमुख कारण बताइए।

उत्तर :

❖ वन्यजीवों की संख्या घटने के पीछे मानवीय गतिविधियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

❖ औद्योगिकीकरण और तकनीकी विकास से वनों का दोहन तेज हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

❖ कृषि, बस्तियों, सड़कों, खदानों और जलाशयों के निर्माण के लिए वन भूमि साफ की गई।

❖ स्थानीय लोगों द्वारा चारे, ईंधन और इमारती लकड़ी के लिए पेड़ काटने से वनों पर दबाव बढ़ा।

❖ पशुओं के लिए नए चरागाह खोजने से वन्यजीवों के आवास नष्ट हुए।

❖ शिकार तथा जंगलों में आग लगने से भी वन्यजीव प्रभावित हुए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निबन्धात्मक प्रश्न–उत्तर

Q.21 भारत में वनों के संरक्षण की आवश्यकता तथा वन नीति के प्रमुख उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर :

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

❖ वनों का जीवन और पर्यावरण के साथ जटिल संबंध है।

❖ वन प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक और सामाजिक लाभ प्रदान करते हैं।

❖इसलिए वनों का संरक्षण मानव विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

❖ वनों के संसाधनों का संरक्षण और विकास करते हुए स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करना आवश्यक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

वन नीति

- भारत सरकार ने वन संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वन नीति लागू की, जिसमें बाद में संशोधन किया गया। 1952
- इस नीति का उद्देश्य सतत पोषणीय वन प्रबंधन को प्रोत्साहित करना है, ताकि वन संसाधनों का विकास हो और स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं की भी पूर्ति की जा सके।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वन नीति के प्रमुख उद्देश्य

1/3 भाग

- देश में वन क्षेत्र का विस्तार करना और निर्धारित वनावरण लक्ष्य प्राप्त करना।
- पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना तथा पारिस्थितिक असंतुलन वाले क्षेत्रों में वृक्षारोपण करना।
- देश की प्राकृतिक धरोहर, जैव विविधता और आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण करना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- मृदा अपरदन तथा मरुस्थलीकरण को रोकना।
- बाढ़ और सूखे जैसी समस्याओं पर नियंत्रण में सहायता करना।
- निम्नीकृत भूमि पर सामाजिक वानिकी तथा वनरोपण के माध्यम से वनावरण बढ़ाना।
- वनों की उत्पादकता में वृद्धि करना।
- वनों पर निर्भर ग्रामीण और जनजातीय समुदायों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

❖ ईंधन, चारे और भोजन के लिए लकड़ी पर निर्भरता कम करने हेतु वैकल्पिक संसाधनों को प्रोत्साहित करना।

वृक्षारोपण को बढ़ावा देना और वनों पर दबाव कम करने के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करना।

इस प्रकार वन संरक्षण केवल वृक्षों की रक्षा तक सीमित नहीं है। यह पर्यावरणीय संतुलन, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग और स्थानीय समुदायों के कल्याण से जुड़ा हुआ है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.22 भारत में प्राकृतिक वनस्पति के प्रमुख प्रकारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

❖ भारत में मिट्टी और जलवायु की विविधता के कारण विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक वनस्पति पाई जाती है।

❖ वर्षा, तापमान, ऊँचाई तथा स्थानीय पर्यावरण के आधार पर वनों की संरचना और उनका विस्तार अलग-अलग होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

उष्णकटिबंधीय सदाबहार एवं अर्ध-सदाबहार वन:

- ये गर्म तथा आर्द्र क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
- सदाबहार वनों में वृक्षों के पत्ते अलग-अलग समय पर झड़ते हैं, जिससे वन वर्षभर हरे रहते हैं।
- अर्ध-सदाबहार वन सदाबहार और आर्द्र पर्णपाती वनों के मिश्रित रूप हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन:

- ये भारत में व्यापक रूप से पाए जाते हैं और मानसूनी वन भी कहलाते हैं।
- जल की उपलब्धता के अनुसार इन्हें आर्द्र तथा शुष्क पर्णपाती वनों में बाँटा जाता है।
- आर्द्र पर्णपाती वन अपेक्षाकृत अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में मिलते हैं, जबकि शुष्क पर्णपाती वन कम वर्षा वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

उष्णकटिबंधीय काँटेदार वन:

- ये कम वर्षा वाले क्षेत्रों में विकसित होते हैं।
- इनमें घास, झाड़ियाँ और ऐसे पौधे पाए जाते हैं जो शुष्क परिस्थितियों के अनुकूल होते हैं।

पर्वतीय वन:

- ऊँचाई के साथ तापमान घटने से पर्वतीय वनस्पति में परिवर्तन होता है।
- अलग-अलग ऊँचाइयों पर पर्णपाती, शीतोष्ण, शंकुधारी और अल्पाइन वनस्पति मिलती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ज्वारीय एवं अनूप वन:

- मैंग्रोव वन तटीय ज्वारीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
- इनकी वनस्पति लवणीय परिस्थितियों को सहन कर सकती है।
- ये तटीय पारिस्थितिक तंत्रों में पक्षियों सहित विभिन्न जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं।

इस प्रकार भारत की प्राकृतिक वनस्पति विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित हुई है और इसका संरक्षण आवश्यक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.23 भारत में वन्यजीव संरक्षण के लिए किए गए प्रमुख प्रयासों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- भारत में वन्यजीव प्राकृतिक धरोहर का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं।
- देश में विभिन्न प्रकार के पारिस्थितिक तंत्र पाए जाते हैं, जिनमें अनेक वनस्पति और प्राणी प्रजातियाँ विकसित हुई हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

भारत में वन्यजीव संरक्षण के प्रमुख प्रयास

- **कानूनी संरक्षण:**
  - वन्य प्राणी अधिनियम के माध्यम से वन्यजीवों के संरक्षण और सुरक्षा की कानूनी रूपरेखा तैयार की गई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

➤ संरक्षित क्षेत्र:

- ❖ वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा के लिए राष्ट्रीय उद्यानों तथा वन्यजीव अभयारण्यों की स्थापना की गई है।
- ❖ ये क्षेत्र वन्यजीवों के संरक्षण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- **संरक्षण परियोजनाएँ:**
  - बाघों के अतिरिक्त हाथियों और अन्य संकटग्रस्त जीवों के संरक्षण के लिए भी विशेष परियोजनाएँ चलाई गई हैं।
  - इनमें मगरमच्छ प्रजनन परियोजना, हंगुल परियोजना तथा हिमालयी कस्तूरी मृग परियोजना शामिल हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- **जैवमंडल संरक्षण:**
  - मानव एवं जैवमंडल कार्यक्रम के अंतर्गत वनस्पति और प्राणी प्रजातियों के संरक्षण के लिए प्रयास किए गए हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- जनभागीदारी:
  - वन्यजीव संरक्षण तभी सफल हो सकता
    जब प्रत्येक व्यक्ति इसके महत्त्व को समझे
    संरक्षण के प्रयासों में अपना योगदान दे।

वन्यजीव संरक्षण तभी सफल हो सकता है, जब प्र
व्यक्ति इसके महत्त्व को समझे और संरक्षण के प्रय
में अपना योगदान दे।